न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED

(भारत सरकार का उद्यम A Government of India Enterprise)

अध्यक्ष का वक्तव्य
CHAIRMAN'S STATEMENT

20 सितंबर September 2024

37वीं वार्षिक आम सभा 2024
37th Annual General Meeting 2024

प्रिय शेयरधारकों,

मैं, निदेशक मंडल की ओर से आप सभी का कंपनी की 37वीं वार्षिक आम सभा (ए जी एम) में स्वागत करता हूँ। आपकी कंपनी का प्रगति पथ सुगम्य, परिश्रमी और संरक्षा एवं उत्कृष्टता के प्रति अटल प्रतिबद्धता से भरपूर रहा है। बीते हुए वर्ष ने एक बार पुन: प्रचालनात्मक उत्कृष्टता और बेहतर वित्तीय स्थिति को रेखांकित किया। वर्ष 2024-25 के संघ के बजट में, ऊर्जा संक्रमण और ऊर्जा सुरक्षा को एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र माना गया है। विकसित भारत की ओर भारत की यात्रा में न्यूक्लियर ऊर्जा से यह अपेक्षा है कि वह ऊर्जा सम्मिश्र में एक महत्वपूर्ण भाग का निर्माण करेगी।

इस पृष्ठभूमि के साथ, मैं वित्तीय वर्ष (वि.व.) 2023-24 हेतु आपकी कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ। वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों सहित निदेशकों की रिपोर्ट, सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां तथा वार्षिक आम सभा की सूचना पहले ही आपके पास है, और आपकी सहमति से, मैं यह मानता हूँ कि आपने इन्हें पढ़ लिया है।

मेरे लिए निश्चय ही गर्व का विषय है कि मैं आपको वर्ष 2023-24 के दौरान आपकी कंपनी द्वारा की गई प्रगति और भावी योजनाओं की जानकारी दूँ।

प्रचालन एवं वित्तीय कार्यनिष्पादन

आज की तारीख में कंपनी के 24 प्रचालनरत बिजलीघरों सहित कुल संस्थापित क्षमता 8180 मेगावाट है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में न्यूक्लियर ऊर्जा के माध्यम से वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन 47971 मिलियन यूनिट (मि.यू.) रहा जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में 45855 मि.यू. था, इस प्रकार, 2116 मि.यू. (4.61%) की वृद्धि देखी गई। दिनांक 30.06.2023 को कापबिघ की इकाई-3 का वाणिज्यिक होना और वित्तीय वर्ष 2023-24 में 3932.28 मि.यू. का योगदान देना इस वृद्धि का मुख्य कारक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में औसत वाणिज्यिक क्षमता उपयुक्तिकरण कारक 85% रहा।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में, काकरापार, गुजरात में स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर (दाभापारि) के पहले युग्म कापविप- 3 व 4 ने वाणिज्यिक प्रचालन आरंभ किया। माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 22 फरवरी, 2024 को कापविप- 3 व 4 को राष्ट्र को समर्पित किया।

रिएक्टरों (दाभापारि) की मौजूदा प्रचालनरत श्रृंखला में से कापबिघ-1 एवं केजीए-2 इकाइयों ने अपने संपूर्ण प्रचालन के दौरान 100% उपलब्धता गुणक दर्ज किया। पाँच रिएक्टरों नामत: नपबिघ-2, कापबिघ-1, कैगा-1, कैगा-2 एवं कैगा-3 ने एक वर्ष से अधिक का अनवरत प्रचालन दर्ज करते हुए आज की तारीख तक ऐसे प्रचालनों की कुल संख्या को 46 तक पहुँचाया। कुडनकुलम में केकेएनपीपी- 1 व 2 (1000 x 2 साजरि) अपनी पूर्ण विद्युत क्षमता पर सुचारू रूप से प्रचालन कर रहे हैं। दोनों इकाइयों ने समेकित रूप से 1,00,000 मि.यू. से अधिक के विद्युत उत्पादन को पार किया है।

वर्ष के दौरान प्रचालन से राजस्व रु. 18,484 करोड़ था और अन्य आय रु. 712 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु कंपनी का कर पूर्व लाभ रु. 10,322.16 करोड़ रहा जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान रु. 6,138.22 करोड़ था। वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल समग्र आय रु. 6,485.53 करोड़ रही जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान रु. 5,202.14 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान एनपीसीआईएल ने रु.1,065 करोड़ के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है और प्रस्तवित अंतिम लाभांश रु. 866 करोड़ है, इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भुगतान किए जाने वाले कुल लाभांश की राशि रु. 1931 करोड़ (अर्थात, कर पश्चात लाभ का 30%) है।

एनपीसीआईएल के बॉण्डों/एनसीडी को 'एएए' की रेटिंग प्रदान की गई है जो उच्चतम संरक्षा को दर्शाती है।

चालू परियोजनाएं एवं नई परियोजनाएं

700 मेगावाट दाभापारि का दूसरा युग्म रापविप-7 व 8, रावतभाटा, राजस्थान में स्थापित किया जा रहा है। आपको यह सूचित करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि दिनांक 08 अगस्त, 2024 को रापविप- इकाई-7 के प्रारंभिक ईंधन भरण के पश्चात इकाई ने 19 सितंबर, 2024 को अपनी प्रथम क्रांतिकता हासिल की और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान इसके वाणिज्यिक प्रचालन आरंभ करने का लक्ष्य है। इकाई-8 की कमीशनिंग एवं प्रचालन आगामी वित्तीय वर्ष में प्रत्याशित है।

स्वदेशी 700 मेगावाट दाभापारि प्रौद्योगिकी के अन्य दो रिएक्टरों का गोरखपुर, हरियाणा (जीएचएवीपी- 1 व 2) में निर्माण प्रगति पर है। 10 स्वदेशी 700 मेगावाट दाभापारि का कर्नाटक के कैगा (कैगा- 5 व 6) में, हरियाणा के गोरखपुर (जीएचएवीपी- 3 व 4) में, मध्य प्रदेश के चुटका (सीएमएपीपी- 1 व 2) में तथा राजस्थान के माही बांसवाड़ा (माही बांसवाड़ा- 1 से 4) में फ्लीट मोड में निर्माण किया जा रहा है।

साधारण जल रिएक्टर (एलडब्ल्यूआर) प्रौद्योगिकी के प्रत्येक 1000 मेगावाट क्षमता के चार रिएक्टर, नामत: केकेएनपीपी- 3 व 4 तथा केकेएनपीपी- 5 व 6, रूसी सहयोग से कुडनकुलम, तमिलनाडु में निर्माणाधीन हैं। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष के कारण रूस एवं अन्य देशों से आपूर्तियों में विलंब के चलते इन परियोजनाओं की गति प्रभावित हुई है। तथापि, विलंब को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

भारत सरकार ने जैतापुर, महाराष्ट्र; कोव्वाडा, आंध्र प्रदेश; छाया मीठी विर्डी, गुजरात तथा हरिपुर, पश्चिम बंगाल में न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों (विदेशी सहयोग से साजरि प्रौद्योगिकी) की स्थापना हेतु अक्तूबर, 2009 में 'सैद्धांतिक अनुमोदन' भी प्रदान किया है। पश्चिम बंगाल के हरिपुर स्थल में तथा गुजरात के छाया मीठी विर्डी स्थल में भूमि अर्जन राज्य सरकार के प्रयासों पर निर्भर है। एनपीसीआईएल ने जैतापुर एवं कोव्वाडा में

प्रस्तावित नई परियोजना स्थलों के आसपास के नगरों में कार्यालय खोल दिए हैं। वर्तमान में, परियोजना-पूर्व गतिविधियां प्रगति पर हैं।

न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों का नवीकरण व आधुनिकीकरण और आयु विस्तार

रापबिघ-3, 220 मेगावाट दाभापारि को इसकी ईएमसीसीआर एवं ईएमएफआर गतिविधियों की पूर्णता के पश्चात 24 जुलाई, 2024 को सफलतापूर्वक पुन: आरंभ किया गया। तापबिघ- 1 व 2 के आयु विस्तार का कार्य भी सुचारू रूप से प्रगति कर रहा है।

संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है

कंपनी की सभी गतिविधियों में संरक्षा एक सर्वोच्च प्राथमिकता है। एनपीसीआईएल उत्पादन अथवा परियोजना समय-सारणी की मांगों को भी दरकिनार करते हुए न्यूक्लियर, विकिरणकीय, औद्योगिक एवं पर्यावरणीय संरक्षा को सर्वोच्च महत्व देता है। एनपीसीआईएल ने 50 वर्षों से भी अधिक समय तक न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों का प्रचालन कर 610 रिएक्टर वर्षों से अधिक का वाणिज्यिक न्यूक्लियर विद्युत प्रचालन अनुभव हासिल किया है।

कामगारों को पऊनिप द्वारा निर्धारित डोज़ सीमा से अधिक विकिरण उद्भासन की कोई घटना नहीं हुई। एनपीसीआईएल के प्रचालनरत बिजलीघरों में आईएसओ-14001 के अनुसार प्रमाणित पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) तथा आईएस-18001/आईएसओ-45001 के अनुसार व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं संरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ओएसएसएमएस) को बरकरार रखा जाता है और सतत सुधार हेतु नियमित लेखापरीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

एनपीसीआईएल के प्रचालनरत बिजलीघर एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं ने परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (पऊनिप), भारतीय राष्ट्रीय संरक्षा परिषद तथा श्रम व रोजगार मंत्रालय से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संरक्षा पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

गुणवत्ता आश्वासन

एनपीसीआईएल अपने सभी प्रयासों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के उन्नयन एवं सतत सुधार के प्रति कटिबद्ध है जिसमें; गुणवतता आश्वासन (गु.आ.), गुणवत्ता निगरानी, सेवा पूर्व निरीक्षण (पीएसआई)/सेवाकालीन निरीक्षण (आईएसआई) और सॉफ्टवेयर गुणवत्ता आश्वासन (एसक्यूएस) गतिविधियां शामिल हैं।

मानव पूंजी

दिनांक 31.03.2024 की स्थिति अनुसार एनपीसीआईएल के पास 10576 कर्मचारियों का सशक्त एवं समर्पित मानवबल है जिसमें अभियंता, गैर-तकनीकी अधिकारी, पर्यवेक्षक, तकनीशियन एवं आनुषंगी स्टाफ शामिल है जो संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु गतिविधियों को गति प्रदान करते हैं। अपने कार्यक्षेत्र की संपूर्ण जानकारी एवं दक्षता सहित प्रशिक्षित एवं योग्य मानव संसाधन एनपीसीआईएल की पूंजी है। अभियंताओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एनपीसीआईएल में कई न्यूक्लियर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

सीएसआर एवं संधारणीयता

एनपीसीआईएल अपनी स्थापना के समय से ही निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है। एनपीसीआईएल अपनी सभी इकाइयों के आसपास स्थानीय समुदायों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के प्रति वचनबद्ध है। सीएसआर कार्यक्रम, सामान्यत: अपनी सभी इकाइयों से 16 कि.मी. त्रिज्या के आसपास रहने वाले समुदाय की निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार कार्यान्वित किए जाते हैं। सीएसआर परियोजनाओं के मुख्य क्षेत्र हैं : शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख, आधारभूत संरचना विकास, कौशल विकास एवं संधारणीय विकास।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कुल सीएसआर व्यय रु. 131.79 करोड़ रहा जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के निबंधन अनुसार रु. 3.05 करोड़ अधिक है।

निगम अभिशासन

कंपनी प्रबंधन को पारदर्शी एवं संस्थागत रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में सांविधिक आवश्यकताओं की पूर्ति तथा ऐसी प्रणालियों व प्रक्रियाओं की संस्थापना के लिए प्रयासरत रहती है। अच्छी निगम अभिशासन प्रक्रियाएं एनपीसीआईएल की मान्यताओं का केंद्र बिंदु हैं। मैं यह भी पुष्टि करना चाहूँगा कि कंपनी ने प्राधिकारियों द्वारा जारी निगम अभिशासन दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है। दिशानिर्देशों की अनुपालना का प्रमाण-पत्र इस वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग- ज्ञान एवं अनुभव साझा करना

एनपीसीआईएल अंतरराष्ट्रीय संगठनों नामत: विश्व न्यूक्लियर प्रचालक संघ (वानो) तथा कांडु स्वमित्व समूह (सीओजी) का सदस्य है और अपने न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों की संरक्षा एवं विश्वसनीयता में वृद्धि के एकमात्र लक्ष्य के साथ इन संगठनों के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

नए व्यावसायिक अभिक्रम

एनपीसीआईएल द्वारा कई नए व्यावसायिक कदम उठाए गए हैं, जैसे -

- एनपीसीआईएल द्वारा यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में रु. 925.69 करोड़ का निवेश।
- दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) प्रौद्योगिकी आधारित न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के क्षेत्र में व्यावसायिक अवसरों के संयुक्त रूप से अनुसरण हेतु दिनांक 11 अप्रैल, 2023 को बीएचईएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।
- एनटीपीसी के साथ संयुक्त उपक्रम, अश्विनि नामत: अणुशक्ति विद्युत निमगम लिमिटेड को देश में न्यूक्लियर विद्युत उत्पादन एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों के निर्वहन के लिए सरकार द्वारा दिनांक 11 सितंबर, 2024 को अनुमोदन प्रदान किया गया। यह इसकी प्रचालनात्मकता की दिशा में एक बड़ा कदम है। अश्विनि, एनपीसीआईएल की अनुषंगी कंपनी होगी।

- न्यूक्लियर औषधियों (नैदानिक और उपचारात्मक दोनों), खाद्य पदार्थ परिरक्षण एवं अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों में प्रयोग होने वाले रेडियोआइसोटॉप के पीपीपी मोड में उत्पादन हेतु आइसोटॉप उत्पादन एवं प्रक्रियण सुविधा (आईपीपीएफ) के लिए व्यावहारिकता रिपोर्ट, रियायत करार एवं आरएफपी की समीक्षा की गई तथा अन्य प्रक्रियाविधि का अनुसरण किया जा रहा है।

स्वच्छ हाइड्रोजन उत्पादन

एनपीसीआईएल ने भारत के 'राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन' के अनुरूप उचित समय पर न्यूक्लियर विद्युत से स्वच्छ हाइड्रोजन उत्पादन के व्यवसाय में शामिल होने के लिए सार्थक कदम उठाने का संकल्प लिया है। एनपीसीआईएल ने तारापुर स्थल में 25 एनएम^3 प्रति घंटा की क्षमता सहित हाइड्रोजन उत्पादन इकाई (अल्कालाइन इलेक्ट्रोलाइज़र) की स्थापना कर इसे प्रचालनात्मक किया है। एक अतिरिक्त हाइड्रोजन उत्पादन इकाई (पोलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेंबरेन इलेक्ट्रोलाइज़र) और संबद्ध प्रणालियां, रावतभाटा स्थल में स्थापित की जा रही हैं।

'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की दिशा में कार्य

एनपीसीआईएल, वर्ष 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता, वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन तथा आत्मनिर्भर भारत के देश के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बनाए जा रहे न्यूक्लियर विद्युत कार्यक्रम- विज़न 2047 के विकास में योगदान करने की प्रक्रिया में है।

एनपीसीआईएल, कुछ आयातित उपकरणों एवं अवयवों के स्वदेशीकरण में वृद्धि कर, उपकरणों व अवयवों के प्रापण हेतु जेम पोर्टल के क्रमिक रूप से वर्धित प्रयोग, जहाँ कहीं संभव हो एमएसई क्षेत्र को अवसर उपलब्ध कराकर, फ्लीट मोड में 700 मेगावाट के दस स्वदेशी दाभापारि सहित विभिन्न नई परियोजनाओं के प्रारंभ से इस प्रयास को पूरा करने में अपना सतत योगदान दे रहा है।

भावी राह

संघ के 2024-25 के बजट में कई महत्वपूर्ण पहलुओं के साथ साथ आर्थिक विकास के लिए नौ प्राथमिकताओं की बात कही गई है और ऊर्जा सुरक्षा उनमें से एक है। बजट में भारत लघु रिएक्टरों (बीएसआर) की स्थापना तथा न्यूक्लियर ऊर्जा हेतु भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर) एवं नई प्रौद्योगिकीयों में अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से न्यूक्लियर ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के साथ पहल करने का प्रस्ताव किया गया है। बजट में न्यूक्लियर और हरित ऊर्जा को महत्व दिया गया है।

एनपीसीआईएल को परमाणु ऊर्जा विभाग, प्रशासनिक मंत्रालय से दिनांक 08 अगस्त, 2024 के राष्ट्रपति के निदेश प्राप्त हुए। इन निदेशों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति ने एनपीसीआईएल को परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की परिधि के अंदर रहते हुए निम्नलिखित हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निदेश दिए हैं :

1. भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) (220 मेगावाट दाभापारि)
2. भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर) (220 मेगावाट साजरि)

एनपीसीआईएल, राष्ट्रपति के उपर्युक्त निदेशों के अनुपालन हेतु आवश्यक कदम उठा रहा है।

09 सितंबर, 2024 को एनपीसीआईएल और ईएनईसी (एमिरेट्स न्यूक्लियर ऊर्जा कॉपोरेशन ऑफ यूएई), जिसका पूर्ण स्वामित्व आबु धाबी डेवलेपमेंट होल्डिंग कंपनी पीजेएससी के पास है जो पूर्णत: यूएई सरकार के स्वामित्व के अधीन है, के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य न्यूक्लियर विद्युत के क्षेत्र में संगठनों के बीच संभावितसहयोग हेतु सामान्य संरचनाकार्य उपलब्ध कराना है। प्रस्तावित समझौता ज्ञापन एनपीसीआईएल को अंतरराष्ट्रीय छवि के निर्माण और भारतीय उद्योगों की निर्यात क्षमता में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आभार

अपनी बात को विराम देने से पूर्व मैं निदेशक मंडल के अपने साथियों की सराहना करना चाहूँगा जिन्होंने कंपनी की कार्यात्मकता और विकास में अमूल्य योगदान दिया है । कंपनी की ओर से मैं अपने सभी अंशधारकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने अपना विश्वास और सहयोग बनाए रखा और साथ ही मैं यह कामना करता हूँ कि आगे भी कंपनी के उत्तरोत्तर विकास के लिए उनका सहयोग मिलता रहेगा।

आइए, साथ मिलकर, हम न्यूक्लियर विद्युत के विकास हेतु नए आयामों को खोलने का प्रयास करें- जो बिजली का एक संरक्षित, स्वच्छ, विश्वसनीय एवं अनवरत स्रोत है।

(भुवन चंद्र पाठक)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई

दिनांक : 20 सितंबर, 2024